

**मुख्य परीक्षा**

प्रश्न- “बड़ी परियोजनाओं के नियोजन के समय मानव बस्तियों का पुनर्वास एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक संघात है, जिस पर सदैव विवाद होता है” इस कथन के सन्दर्भ में भौतिक पुनर्वास के उपाय तथा स्थानांतरण भौतिक पुनर्वास के प्रयासों की चर्चा कीजिए। ( 250 शब्द )

**During the planning of large projects the rehabilitation of human settlements are of important environmental concern which is often debated” In the context of this statement discuss the various measures and efforts of displacement physical rehabilitation. (250 Words)**

**मॉडल उत्तर**

**भूमिका:-** पुनर्वास, आपदा पश्चात् कार्य है जिसका उद्देश्य दीर्घकालिक, पुनः स्थापना करना होता है। यह एक महत्वपूर्ण अवस्था है। इस अवस्था में समुदाय और स्वयंसहायता समूहों की भूमिका सर्वोपरि होती है।

जब बड़ी परियोजना का नियोजन किया जाता है, तो उस समय मानव बस्तियों का पुनर्वास होना होता है। पुनर्वास का होना, एक महत्वपूर्ण बिन्दु है जिसमें पुनर्वास के लिए पारिस्थितिक संघात सदैव होता रहता है। जिससे मानव समाज को एक गहन पीड़ा उठानी पड़ती है। जिसके कारण उन्हें अपने जन्म अथवा मूल स्थान को छोड़ना पड़ता है।

**भौतिक पुनर्वास के प्रमुख उपाय:-**

- भवनों, रेलमार्गों, सड़कों, संचार सेवाओं, जलापूर्ति, विद्युत आदि जैसी भौतिक अवसंरचना का पुनर्निर्माण, प्रबंधन, नहर द्वारा सिंचाई, सामाजिक वानिकी, फसल स्थिरीकरण, वैकल्पिक शस्यन प्रौद्योगिकियाँ, रोजगार सृजन, रोजगार जनक और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीतियाँ।
- कृषि, शिल्पकारी कार्य और पशुपालन की पुनर्बहाली
- सब्सिडी के लिए पर्याप्त प्रावधान, भूमि उपयोग योजना का अनुपालन, बाढ़ के मैदानों को विभिन्न जोनों में वर्गीकृत करना, गैर क्षतिग्रस्त मकानों की रेट्रोफिटिंग या सुदृढीकरण और मॉडल घरों का निर्माण करना।

**भौतिक पुनर्वास की दिशा में प्रमुख प्रयास:-**

स्थानान्तरण भौतिक पुनर्वास प्रक्रिया का अत्याधिक संवेदनशील भाग है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पुनर्वास नीति आवश्यकता आधारित कारकों से संचालित हो न कि असंबंध कारकों से-

- जहाँ तक संभव हो, द्वितीयक विस्थापन से बचना चाहिए।
- प्रभावित समुदायों की सहमति प्राप्त करनी चाहिए।
- भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया स्पष्ट रूप से परिभाषित की जानी चाहिए।
- आगे बढ़ने के पहले शहरी/ग्रामीण भूमि-उपयोग योजना पर विचार किया जाना चाहिए।
- स्थिति के अनुरूप स्थानांतरण पैकेज प्रदान किया जाना चाहिए।
- जहाँ तक संभव हो, सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पुनर्वास स्थल विस्थापितों की आजीविका के स्रोतों के निकट हो।

**निष्कर्ष:-**

इन बड़ी परियोजनाओं से मानव जीवन प्रभावित हुआ है। जिससे इनके जीवन में अनियंत्रितता आई, इस अनियंत्रितता को समझने के लिए स्थाई समाधान की आवश्यकता है।